>

Title: Need to impress upon the Government of Uttarakhand to provide adequate compensation to the people and undertake relief and rehabilitation measures in the State ravaged by the recent natural disaster.

श्री सतपाल महाराज (गढ़वाल): मैं सरकार का ध्यान उत्तराखंड में हाल ही में आई आपदा में अपना मकान, दुकान सब खो चुके लोगों की ओर आकर्षित करना चाहता हूं। प्रभावितों को अभी तक किसी प्रकार की आर्थिक सहायता उपलब्ध नहीं हुई है। प्रभावितों को चार किस्तों में मुआवजे की जो नीति सरकार ने बनाई है, वह ठीक नहीं है। उन्हें दो किस्तों में ही मुआवजा दिया जाना चाहिए जिससे वह अपना मकान बना सके। नदियों पर जगह-जगह जहां पुल टूट गए हैं वहां अब तक ट्रालियां भी नहीं लगी है, कनेक्टिविटी के लिए पुलों का शीघ्र निर्माण आवश्यक है। जिनके घर टूट गए हैं और उन्हें रहने के लिए किराया दिया जा रहा है तो लोगों का कहना है कि उन्हें एकमुश्त मुआवजा दे जिससे वे अपने घरों का शीघ्र निर्माण कर सके। इसके साथ ही कंडी वालों, खच्चर वालों के भी मुआवजे राशि में बढ़ोतरी कर उसका शीघ्र भुगतान करना चाहिए। जिससे प्रभावित व्यक्तियों का रोजगार शुरू हो सके। आपदा प्रभावितों के दर्द को जानने के लिए सरकार को चाहिए कि वह गैरसैंण में आगामी उत्तराखण्ड विधान सभा का सत्र तम्बू लगा आयोजित करे। केन्द्र सरकार ने वादा किया था कि जिनके मकान पूरी तरह से ध्वस्त हुए हैं उन्हें शीघ्र ही मकान बना दिए जाएंगे, साथ ही पुलों का निर्माण भी शीघ्रता से होगा परंतु वास्तविकता इसके विपरीत है।

मेरा केन्द्र सरकार से अनुरोध है कि आपदा प्रभावितों को सहायता के लिए सरकार शीघ्र ही उत्तराखण्ड सरकार को निर्देशित करे।